श्रीदेवी की बेटी... पर पहचान मेरी : जाह्नवी

जाह्नवी कपूर आते-जाते चर्चा में रहती हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी कोई फिल्म नहीं, बल्कि उनके दिल से निकले कुछ सच्चे और कड़वे शब्द हैं. एक टैग जिसे वो जन्म से ढो रही हैं 'स्टारकिड'. एक पहचान जो उन्हें मिली तो आसानी से, पर उसी पहचान ने उनके असली संघर्ष को अक्सर ढक दिया.

श्रीदेवी और बोनी कपूर की बेटी होने के कारण फेम उनके कदमों में रहा, लेकिन सम्मान... उसने कभी खुद को आसानी से उनके हवाले नहीं किया. जाह्नवी कपूर ने बॉलीवुड में कदम रखते ही खुद को स्टारकिड टाइटल से घिरा पाया. 'धड़क' से 2018 में डेब्यू करने वाली जाह्नवी को फिल्मों के मौके भले ही लगातार मिलते रहे, लेकिन उन्होंने हाल ही में स्वीकार किया कि उन्हें हमेशा एक ही बात खाए जाती थी 'क्या मुझे सम्मान इसलिए नहीं मिलता क्योंकि मैं किसी बड़ी हस्ती की बेटी हूं?' उन्होंने कहा कि बचपन से उन्हें पहचान की जरूरत ही नहीं पड़ी, क्योंकि फेम पहले से मौजूद था.

श्रीदेवी की बेटी होने के कारण लोग उन्हें जानते थे, उन पर नजर रखते थे और उन्हें लेकर राय भी बनाते थे. जाह्नवी मानती हैं कि यह फेम जितना आसान लगा, उतना ही मुश्किल साबित हुआ, क्योंकि लोग काम से ज्यादा वंश पर चर्चा करते रहे. उन्होंने बताया कि शुरुआती वर्षों में वे दूसरों से मान्यता पाने के लिए बेचैन रहती थीं कोई आकर कह दे कि 'हाँ, तुम अच्छा काम कर रही हो', बस वही सुनने की प्रतीक्षा रहती थी.

राधा स्वामी से जुड़े शाहिद-मीरा के रिश्ते

शाहिद कपूर और मीरा राजपूत की कहानी सिर्फ बॉलीवुड रोमांस तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आध्यात्मिक जुड़ाव का भी सुंदर उदाहरण है. दोनों परिवार लंबे समय से राधा स्वामी सत्संग ब्यास से जुड़े हैं. शाहिद बताते हैं कि उन्होंने 25 साल की उम्र में 'नाम' लिया था, जबकि मीरा ने भी उसी समय आध्यात्मिक मार्ग अपनाया. यही समान आस्था दोनों को एक-दूसरे के और करीब ले आई.

शाहिद ने हाल ही में खुलासा किया कि ब्यास में उनका घर उनके दिल का सबसे प्रिय स्थान है. ब्यास नदी के किनारे बसा यह घर शोर-शराबे से दूर एक शांत दुनिया है. वह कहते हैं 'दुनिया में इससे प्यारी जगह कोई नहीं. यहां आने से जो सुकून मिलता है, वह कहीं और नहीं मिलता, हमारे मुंबई वाले घर में भी नहीं.' मीरा के माता-पिता का घर भी वहीं है, इसलिए दोनों परिवार अक्सर साथ समय बिताते हैं. शाहिद और मीरा की पहली मुलाकात किसी के घर में हुई थी, जहां दोनों परिवार मौजूद थे. शाहिद 33 वर्ष के थे और मीरा सिर्फ 20 की उम्र का फर्क इतना ज्यादा था कि दोनों ही सोच रहे थे कि बातचीत आखिर किस बारे में होगी.

रणबीर-भंसाली की मुलाकात से बढ़ा रोमांच

बॉलीवुड सुपरस्टार रणबीर कपूर को संजय लीला भंसाली के ऑफिस के बाहर देखा गया, और इस एक झलक ने ही फिल्म इंडस्ट्री में उत्साह की लहर दौड़ा दी है. भंसाली की अगली बड़ी फिल्म 'लव एंड वॉर' का ऐलान होने के बाद से ही दर्शक और ट्रेड एक्सपर्ट किसी भी नई अपडेट का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे. ऐसे में रणबीर की यह विज़िट फिल्म की तैयारियों में तेजी का संकेत देती दिखाई देती है.

'लव एंड वॉर' में रणबीर के साथ आलिया भट्ट और विकी कौशल की मजबूत तिकड़ी नजर आएगी. यह तिकड़ी पहली बार बड़े पर्दे पर साथ आ रही है, और भंसाली के निर्देशन का जादू इसमें चार चांद लगाने को तैयार है. फिल्म का ऐलान होते ही यह प्रोजेक्ट चर्चा में आ गया था, लेकिन अब रणबीर की भंसाली ऑफिस विज़िट ने पूरे माहौल में और उत्सुकता भर दी है. रणबीर और भंसाली का साथ आना खास इसलिए भी है क्योंकि दोनों लगभग 18 साल बाद फिर एक साथ काम कर रहे हैं. 2007 में रिलीज़ हुई 'सांवरिया' भंसाली और रणबीर का पहला सहयोग था और यही रणबीर की डेब्यू फिल्म भी थी. उस समय इस जोड़ी ने दर्शकों को एक अलग विजुअल स्टाइल और संगीतमय अनुभव दिया था.

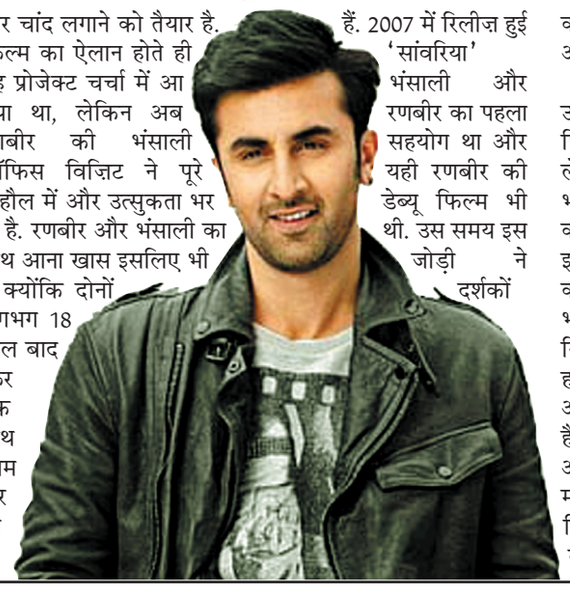

अब 'लव एंड वॉर' को लेकर उम्मीद है कि ये दोनों एक बार फिर कुछ अनोखा और भव्य लेकर आएंगे. 'लव एंड वॉर' को भंसाली अपनी सबसे बड़े पैमाने की फिल्मों में से एक बना रहे हैं. इसमें शानदार सेट्स, भव्य कॉस्ट्यूम, दमदार संगीत और भंसाली की सिग्नेचर सिनेमैटोग्राफी शामिल होगी. हालांकि कहानी को लेकर कोई आधिकारिक खुलासा नहीं हुआ है, पर इसे एक गहन, भावनात्मक और विज़ुअली शानदार ड्रामा माना जा रहा है. फिल्म की रिलीज़ डेट 20 मार्च 2026 तय की गई है.

दूसरी शादी से समांथा का नया सफर शुरू

राज निदिमोरू संग मंदिर में लिए सात फेरे

साउथ सिनेमा की मशहूर अदाकारा समांथा रूथ प्रभु ने अपने फैंस को एक बार फिर खुश होने का मौका दिया है. चार साल पहले नागा चैतन्या संग तलाक के बाद कठिन दौर से गुज़र चुकीं समांथा ने आखिरकार जिंदगी में नया कदम बढ़ा दिया है.

एक्ट्रेस ने डायरेक्टर और 'फैमिली मैन' फेम राज निदिमोरू के साथ दूसरी शादी रचा ली है. लंबे समय से अपने रिलेशन को निजी रखने वाले इस कपल ने आखिरकार 1 दिसंबर को मंदिर में सात फेरे लेकर अपने रिश्ते को आधिकारिक रूप दे दिया. शादी बेहद सिंपल, शांत और परिवार के बीच संपन्न हुई, लेकिन सोशल मीडिया पर इसकी चमक बेहद तेज रही. समांथा की शादी की तस्वीरों ने इंटरनेट पर धूम मचा दी.

लाल साड़ी में उनकी पारंपरिक झलक, मैचिंग बैंगल्स, गजरा और चोकर नेकलेस ने उनके ब्राइडल लुक को बेहद खूबसूरत बनाया. उन्होंने सोलह श्रृंगार के साथ इस मौके को खास बनाया. वहीं राज क्लासिक व्हाइट कुर्ता-पायजामा और ब्राउन नेहरू

जैकेट में बेहद हैंडसम दिखाई दिए. एक तस्वीर में दोनों एक-दूसरे को रिंग पहनाते नजर आए—यह तस्वीर फैंस की सबसे पसंदीदा बन गई है. फैंस और इंडस्ट्री के सितारों ने दोनों को ढेर सारी शुभकामनाएं दी हैं. समांथा अपनी पहली शादी नागा चैतन्या संग के दर्दनाक अंत से उबरने में काफी समय तक संघर्ष करती रहीं. 2017 में हुई उनकी शादी 2021 में तलाक के साथ खत्म हो गई. इस फैसले ने उनकी निजी जिंदगी को गहराई से प्रभावित किया, और वह एक मुश्किल दौर से गुजरीं.

एण्डटीवी के नए चेहरे, मस्ती और ड्रामा का नया

साल 2025 एण्डटीवी के लिए नई एनर्जी और नए टैलेंट लेकर आया है. चैनल के लोकप्रिय शोज़ में इस साल कई नए कलाकार जुड़े हैं, जो अपने किरदारों से दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं. इनमें 'घरवाली पेड़वाली' में सावी के रूप में सीरत कपूर, 'हप्पू की उलटन पलटन' में सोनू के रूप में संजय चौधरी और 'भाबीजी घर पर हैं' में मलखान के रूप में विपिन हीरो शामिल हैं. तीनों ही कलाकार अपने नए सफर को लेकर बेहद उत्साहित और आभारी हैं. 'घरवाली पेड़वाली' में सावी का किरदार निभा रहीं सीरत कपूर कहती हैं, 'मैंने सोचा भी नहीं था कि 2025 मेरे लिए इतना बड़ा सरप्राइज़ लेकर आएगा. सावी एक मॉडर्न, चुलबुली, जेन-ज़ी स्टाइल की, खुलकर बोलने वाली और दिल से बेहद सच्ची लड़की है. जहाँ जाती है, अपनी अलग स्टाइल और पॉज़िटिव वाइब लेकर जाती है. उसकी सबसे बड़ी ख्वाहिश है कि जीतू के साथ उसका रिश्ता खुशहाल रहे, भले ही उसे लतिका के साथ नोकझोंक क्यों न झेलनी पड़े.

कलर्स टीवी की नई कहानी : सहर होने को है

जब मिलेगी सपनों को उड़ान और बीतेगा रात का पहर, तब होगी उम्मीदों की सहर....' कुछ कहानियों की शुरुआत अंधेरे में होती है- खामोशी में ढली, परंपराओं के बोझ तले दबी, और पीढ़ियों से सौंपे गए ज़ख़्मों को विरासत की तरह ढोती हुई. लेकिन हर अंधेरी रात अपनी सुबह का इंतज़ार करती है. सामाजिक मुद्दों से जुड़ी कहानियां दिखाने की अपनी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, कलर्स प्रस्तुत कर रहा है 'सहर होने को है', एक ऐसी माँ की मार्मिक गाथा जिसकी शादी बहुत कम उम्र में करा दी गई थी, और जिसने ठान लिया है कि वह अपनी बेटी के साथ वही इतिहास दोहराने नहीं देगी. अपनी बेटी सहर को वह शिक्षा, आज़ादी और कॅरियर के वो पंख देने के लिए डटी है, जो उसे खुद कभी नहीं मिले. उसकी बेटी को डॉक्टर बनाने की लड़ाई से ही यह कहानी जन्म लेती है, नवाबों के शहर लखनऊ की शायराना गलियों में. लेकिन सेहर के रास्ते में उसके परंपरावादी पिता परवेज़ खड़े हैं, जो उसकी शादी उस्मान के पोते माहिद से करना चाहते हैं. माहिद एक प्रभावशाली परिवार का उत्तराधिकारी है, और इसी बीच वह विज्ञान के व्यक्ति डॉ. फ़रीद से इलाज भी करवा रहा है. माहिद से उसकी शादी रुकवाने और सहर को बचाने की भागदौड़ के बीच, एक मासूम लड़की ज़िंदगी के सबसे नाजुक मोड़ पर खड़ी है- क्या सहर अपनी नई सुबह खुद लिख पाएगी, या माँ की तरह अंधेरे में धकेल दी जाएगी?

वायुसेना के अधिकारी बने नजर आए दिलजीत

टी-सीरीज और जेपी फिल्म्स ने आगामी फिल्म 'बॉर्डर 2' के पोस्टर के जरिये दिलजीत दोसांझ का पहला लुक जारी कर दिया है. इस पोस्टर से पता चलता है कि इस सीक्वल में अब जमीन के साथ-साथ भारतीय वायुसेना की भूमिका भी प्रमुखता से दिखाई जाएगी.

पोस्टर में दिलजीत दोसांझ फाइटर जेट के कॉकपिट में बैठे हुए नजर आ रहे हैं और वायुसेना अधिकारी की वर्दी में हैं. इससे साफ है कि फिल्म में हवाई युद्ध के बड़े दृश्य भी होंगे. वैरायटी के अनुसार, 1971 के युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी मूल फिल्म 'बॉर्डर' (1997) में सनी देओल ने लोंगेवाला की लड़ाई को दिखाया था, जिसमें भारतीय सेना की एक छोटी टुकड़ी ने पाकिस्तानी सेना के बड़े हमले को नाकाम कर दिया था. यह फिल्म भारतीय युद्ध सिनेमा की ऐतिहासिक फिल्म मानी जाती है.

'बॉर्डर 2' का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं, जिन्होंने पहले अक्षय कुमार स्टारर 'केसरी' (2019) बनाई थी, जो सारागढ़ी की लड़ाई पर आधारित थी.

अनुराग सिंह और दिलजीत दोसांझ की यह जोड़ी पहले कई सुपरहिट पंजाबी फिल्मों में साथ काम कर चुकी है, जैसे-जट एंड जूलियट (2012), जट एंड जूलियट 2 (2013), डिसको सिंह (2014), पंजाब 1984 (2014) और सुपर सिंह (2017). फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, मेधा राणा, मोना सिंह और सोनम बाजवा मुख्य भूमिकाओं में हैं.

फिल्म का निर्माण भूषण कुमार, जे.पी. दत्ता और निधि दत्ता कर रहे हैं. यह फिल्म टी-सीरीज और जेपी फिल्म्स के बैनर तले बनी है और गुलशन कुमार एवं टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत की जा रही है. सह-निर्माता कृष्ण कुमार हैं. 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी.

सैफ के नाम करीना का मजेदार मां-स्टाइल लेटर!

करीना कपूर खान और सैफ अली खान बॉलीवुड के उन कपल्स में से हैं जिनकी निजी और पेशेवर जिंदगी हमेशा सुर्खियों में रहती है. लेकिन इस बार करीना की एक साधारण-सी इंस्टाग्राम स्टोरी ने उनके लाखों फैंस को रिलेटेबल महसूस करवाया. स्टोरी में उन्होंने सैफ के लिए एक छोटा-सा लेटर लिखा था—एक ऐसा लेटर जिसमें ग्लैमर नहीं, बल्कि घर की असल जिंदगी की खुशबू थी.

करीना ने अपने लेटर में लिखा कि वह सैफ से कुछ कहना चाहती थीं, लेकिन उनके बच्चे उन्हें लगातार 175 बार टोक चुके हैं, जिसके कारण वह भूल ही गईं कि कहने क्या आई थीं. यह एक मजाकिया, हल्का-फुल्का और बेहद प्यारा पल था, जिसे पढ़कर लोगों ने कहा 'ये तो बिल्कुल हमारी तरह है!' इस नोट ने यह भी दिखाया कि स्टारडम के बीच में भी करीना की मां वाली पहचान कितनी मजबूत है. तैमूर और जेह हमेशा की तरह अपने माता-पिता को व्यस्त रखते हैं, और उनका यह फैमिली मोमेंट लोगों को हंसी के साथ एक घरेलू गर्माहट भी देता है.

करीना और सैफ की शादी, जो 2012 में कोर्ट मैरिज से शुरू हुई थी, हमेशा चर्चा में रही है. दोनों ने समय के साथ अपने रिश्ते, काम और परिवार के बीच एक खूबसूरत संतुलन बनाया. उनके दोनों बेटे—तैमूर और जेह—पहले से ही मीडिया के फेवरेट स्टार किड्स हैं. बच्चे जैसे-जैसे बड़े हो रहे हैं, उनकी शरारतें और क्यूट नटखट हरकतें अक्सर चर्चाओं में आती ही रहती हैं.

सदी के सबसे लंबे सूर्यग्रहण का खगोलविदों को इंतजार

साल 2027 में एक दुनिया एक दुर्लभ पूर्ण सूर्यग्रहण का दीदार करने जा रही है, जिसे 21वीं सदी की होने वाली सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक कहा जा रहा है. खगोल वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष में दिलचस्पी रखने वालों ने अभी से ही इस तारीख की तैयारियां शुरू कर दी हैं.

खगोलविदों का कहना है कि 2 अगस्त 2027 को अंतरिक्ष में पूर्ण सूर्यग्रहण का नजारा होगा. वैसे तो पूर्ण सूर्यग्रहण हर साल या फिर साल के अंतराल पर होता रहता है लेकिन अगस्त 2027 में होने वाला ग्रहण अपनी लंबी अवधि के लिए बहुत खास हो गया है. यह खगोलविदों को ब्रह्मांड के रहस्यों को जानने के लिए एक मौका होगा.

सदी का सबसे लंबा सूर्यग्रहण- 2 अगस्त 2027 का सूर्यग्रहण ऐसी घटना होगी जिसे पीढ़ियां याद रखेंगी. यह 21वें सदी का सबसे लंबा पूर्ण सूर्यग्रहण होगा. नासा के अनुसार, इस दौरान प्रभावित इलाके 6 मिनट 23 सेकंड के लिए गहरे अंधेरे में डूब जाएंगे. इतने समय तक चंद्रमा सूर्य के कोरोना को पूरी तरह ढके रहेगा. वैज्ञानिकों का कहना है कि इतना लंबा पूर्ण सूर्यगर्हण पिछली सदी में नहीं देखा गया था और इसे अगले 100 साल तक देखना संभव नहीं होगा. पूर्ण सूर्यग्रहण के दौरान सूर्य का कोरोना छिप जाने से दिन में शाम जैसा नजारा होगा. इस दौरान तापमान 5 से 10 डिग्री गिर सकता है.

फोन की सुरक्षा करेगा संचार साथी ऐप

भारत में अब सभी नए मोबाइल फोन में 'संचार साथी ऐप' पहले से इंस्टॉल होगा. सरकार के दूरसंचार विभाग ने मोबाइल हैंडसेट की असलियत जांचने के लिए फोन में 'संचार साथी ऐप' पहले से इंस्टॉल करने को लेकर निर्देश जारी किया है. मोबाइल कंपनियों को 90 दिनों में सभी नए हैंडसेट में 'संचार साथी ऐप' इंस्टॉल करना होगा. दूरसंचार विभाग के निर्देश में कहा गया है कि यदि कंपनियां नियमों का पालन करने में विफल रहती हैं, तो दूरसंचार अधिनियम 2023, दूरसंचार साइबर सुरक्षा नियम 2024 के कानूनों के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी.

संचार साथी ऐप क्या है?- संचार साथी पॉर्टल को साल 2023 में बनाया गया था. इस पोर्टल का मकसद खोए हुए

मोबाइल फोन और फ्रॉड करने के लिए भेजे गए वेब लिंक की रिपोर्ट करने और उन्हें ब्लॉक करने की सुविधा देता है.यह यूजर्स के नाम पर मोबाइल कनेक्शनों की संख्या जानने और बैंकों व वित्तीय संस्थानों के विश्वसनीय कॉन्टेक्ट्स की जांच करने में भी मदद करता है.ऐप के जरिए धोखाधड़ी की रिपोर्ट करना बेहद आसान होता है, क्योंकि इसकी टेक्नोलॉजी बेहद एडवांस है, जिसकी वजह से यूजर्स को अपना ढ्ढरूश्वढ्ढ नंबर याद रखने की जरूरत नहीं होती है.संचार साथी ऐप यूजर्स के नाम पर जारी किए गए मोबाइल कनेक्शनों की जांच, हैंडसेट की असली होने की पुष्टि, और संदिग्ध संचार या स्पैम की रिपोर्ट भी करता है.संचार साथी ऐप यूजर्स को भारतीय नंबर से होने वाली इंटरनेशनल कॉल की रिपोर्ट करने में भी मदद कर सकता है. इसके लिए फोन पर ओटीपी की आवश्यकता नहीं होती है.

लाखों लोगों की मदद कर चुका है संचार साथी ऐप

संचार साथी ऐप अभी लाखों यूजर्स इस्?तेमाल कर रहे हैं. ऐप की वेबसाइट के मु?ताबिक, इस ऐप के जरिए अभी तक 42 लाख से ज़्यादा मोबाइल ब्लॉक किए गए हैं और 26 लाख से ज्?यादा खोए या चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट का पता लगाया गया है. इस ऐप पर 1.14 करोड़ से अधिक रजिस्?ट्रेशन हो चुके हैं, जिसमें गूगल प्लेस्टोर से 1 करोड़ से अधिक और एप्पल स्टोर से 9.5 लाख से अधिक डाउनलोड शामिल हैं.

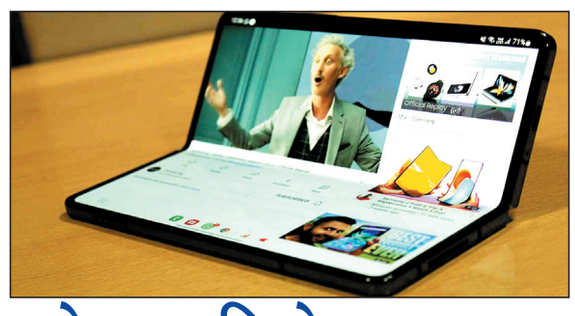

फोन पर मिलेगा एकदम डेस्कटॉप जैसा मजा

लंबे इंतजार के बाद सैमसंग ने अपना पहला ट्राई-फोल्ड फोन Galaxy4 Z TriFold पेश कर दिया है. दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में आयोजित एक कार्यक्रम में पेश किए गए इस फोन को सबसे पहले 12 दिसंबर को दक्षिण कोरिया में लॉन्च किया जाएगा. इसके बाद इसे अमेरिका, चीन, ताइवान, सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में उतारा जाएगा. आइए इस फोन के फीचर और कीमत आदि के बारे में विस्तार से जानते हैं.

फोन पर मिलेगा डेस्कटॉप का मजा Snapdragon 8 Elite प्रोसेसर से लैस इस फोन की आउटर स्क्रीन एक साधारण फोन जैसी लगती है, लेकिन अनफोल्ड करने पर इसका कुल डिस्प्ले 10 इंच का हो जाता है. अनफोल्ड होने पर इसकी हर स्क्रीन पर अलग-अलग ऐप यूज की जा सकती है. यानी एक तरह से यूजर 6.5 इंच की तीन स्क्रीन पर अलग-अलग काम कर सकेगा. इस डिवाइस के लिए सैमसंग ने ष्ठद्गङ्ग सॉफ्टवेयर में थोड़ा बदलाव किया है है, जिससे इस फोन पर डेस्कटॉप वर्जन का मजा लिया जा सकता है. ष्ठद्गङ्ग मोड में यह फोन चार अलग-अलग वर्कस्पेस के तौर पर काम करेगा और हर वर्कस्पेस एक साथ 5 ऐप्स रन कर सकता है.

कैमरा और बैटरी- इस फोन के रियर में 200MP का मेन कैमरा, 12MP का अल्ट्रावाइड लेंस और 10MP का 3X टेलीफोटो सेंसर लगा हुआ है. यह फोन 5,600 की बैटरी के साथ लॉन्च होगा, जो फोल्डेबल फोन में आने वाली सैमसंग की सबसे बड़ी बैटरी होगी.

मजबूती का रखा गया है ध्यान

सैमसंग का कहना है कि उसने फोन के टाइटैनियम हिंज, एल्युमिनियम फ्रेम और डिस्प्ले टेक्नोलॉजी को रिफाइन किया है, जिससे यह लॉन्ग-टर्म ड्यूरैबिलिटी मिलेगी. जरूरत पड़ने पर कंपनी एक बार डिस्प्ले रिपेयर करने पर 50 प्रतिशत का डिस्काउंट भी देगी. इसके अलावा अगर कोई यूजर इसे गलत तरीके से बंद करने की कोशिश करेगा तो नोटिफिकेशन और स्क्रीन वाइब्रेशन से उसे अलर्ट कर दिया जाएगा.

बोतलों पर क्यों लिखी जाती है एक्सपायरी डेट

कई बार हम सफर पर निकलते समय घर से पानी साथ ले जाते हैं, लेकिन रास्ता लंबा हो तो बोतल जल्दी खाली हो जाती है. ऐसे में मजबूरी में दुकान से पैक्ड पानी खरीदना पड़ता है. अब जब भी आप ऐसी बोतल लेते होंगे, आपने ध्यान दिया होगा कि उस पर एक्सपायरी डेट जरूर लिखी होती है. यह देखकर अक्सर दिमाग में एक ही सवाल आता है कि आखिर पानी भी क्या कभी खराब होता है. क्योंकि आमतौर पर जिस चीज पर एक्सपायरी डेट लिखी होती है, वह समय गुजरने के बाद इस्तेमाल लायक नहीं रहती. तो क्या पानी भी उसी कैटेगरी में आता है. चलिए इसे आसान भाषा में समझते हैं.

क्या बोतलों की भी होती है एक्सपायरी डेट?- सबसे पहली और सबसे जरूरी बात यह है कि पानी अपनी प्राकृतिक अवस्था में कभी एक्सपायर नहीं होता. साफ बर्तन में रखा पानी महीनों तक भी खराब नहीं होता, बशर्ते उसमें कोई गंदगी या बाहरी चीज न मिले. अगर पानी को खुले में छोड़ दिया जाए या बहुत गंदे कंटेनर में रखा जाए, तभी वह पीने लायक नहीं बचता. यानी समस्या पानी की नहीं, बल्कि उसे रखने के तरीकों की होती है.

इसीलिए जब लोग बोतल पर लिखी एक्सपायरी डेट देखते हैं, तो भ्रम में पड़ जाते हैं. उन्हें लगता है कि शायद पानी भी खराब हो जाता है. लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है.

क्या पानी भी होता है खराब?- अब असली सवाल यह उठता है कि जब पानी खराब नहीं होता, तो फिर पैक्ड पानी की बोतल पर एक्सपायरी डेट क्यों दी जाती है. इसका जवाब प्लास्टिक में छिपा है. दरअसल यह एक्सपायरी पानी की नहीं, बल्कि बोतल की होती है. समय बीतने पर प्लास्टिक बेहद महीन रूप में पानी में घुलना शुरू कर देता है. यह प्रक्रिया इतनी सूक्ष्म होती है कि आम आंखों से दिखाई नहीं देती, लेकिन इसका असर सीधा पानी की क्वालिटी पर पड़ता है. जब प्लास्टिक के कण पानी में मिलने लगते हैं, तो पानी का स्वाद बदल सकता है, उसकी ताजगी कम हो सकती है और सबसे बड़ी बात यह कि यह स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है.

इस वजह से डाली जाती है एक्सपायरी डेट

इसी वजह से कंपनियां बोतल पर एक निश्चित तारीख डालती हैं, ताकि लोग समझ सकें कि इस तारीख के बाद बोतल का इस्तेमाल सुरक्षित नहीं माना जाता. यानी यह डेट पानी के लिए नहीं, बल्कि बोतल की सुरक्षित उम्र बताने के लिए होती है. अगर बोतल बहुत पुरानी हो जाए, धूप में पड़ी रहे या गर्मी में बहुत ज्यादा गरम हो जाए, तो प्लास्टिक का पानी पर असर और तेज हो जाता है. इसलिए सलाह दी जाती है कि प्लास्टिक की बोतल को बार-बार रीयूज न करें और एक्सपायरी डेट से पहले ही बोतल का इस्तेमाल खत्म कर दें.